



भारत का राजस्मृति

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)

PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 136]

No. 136)

नई विल्सो, वृहस्पतिवार, 29 अप्रैल 1982/वैशाख 9, 1904

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 29, 1982/VAISAKHA 9, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

कृतिय संकालय

(आय विभाग)

आवेदन

नई विल्सो, 29 अप्रैल, 1982

सांख्यिकी 362(अ)मा०/बस्तु/चीनी—केन्द्रीय सरकार, चीनी (नियंत्रण) आवेदन, 1966 के खण्ड 5 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के कृषि संकालय (आय विभाग) के आवेदन सं. सांख्यिकी 410(भ)/मा० बस्तु/चीनी, तारीख 14 जूनाई, 1980 को अधिकारी करते हुए, यह नियंत्रण देती है कि कोई भी माध्यमाप्त व्यवहारी, किसी भी समय स्थाक में—

(1) नीचे वर्णित स्थानों में प्रत्येक के सामने उल्लिखित भावा से अधिक नियंत्रण कराते चीनी (वैक्यूम पैन शूगर) नहीं रखेगा—

(क) कलकरता और विस्तरित क्षेत्र में—

(क) माध्यमाप्त व्यवहारी जो पश्चिमी बंगाल के बाहर से भीनी भावात करते हैं—7,500 किलोटन;

(ख) भव्य माध्यमाप्त व्यवहारी—1000 किलोटन;

(2) ग्राम्य स्थानों में—

(क) 5 लाख या उससे अधिक जनसंख्या वाले शहरों और नगरों में—1000 किलोटन;

(ख) एक लाख या उससे अधिक किन्तु 5 लाख से कम जनसंख्या वाले शहरों और नगरों में—500 किलोटन;

(ग) एक लाख से कम जनसंख्या वाले शहरों में—250 किलोटन;

(2) चांडिसारी (छोटा कड़ाद चीनी) 1000 किलोटन से अधिक नहीं रखेगा :

परन्तु यह कि इस प्रावेश की कोई बात, नियंत्रित द्वारा द्वयी गई चीनी के स्टाक को लागू नहीं होगी—

(1) सरकार मध्ये स्टाक : अपवा

(2) राज्य सरकार द्वारा या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा नामनिवेशित किसी माध्यमाप्त व्यवहारी द्वारा उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से वितरण के लिए रखा गया स्टाक ; अपवा

(3) भारतीय आय नियम द्वारा रखा गया स्टाक ।

स्पष्टीकरण—इस प्रावेश के प्रयोगन के लिए, “कलकरता प्रोट विस्तारित क्षेत्र” से पश्चिमी बंगाल सरकार की प्रविसूचना सं. 7752-एफ०एस०/एफ०एस० 14-प्रार० 92/61, तारीख 16 दिसम्बर, 1964 में विनियिष्ट क्षेत्र अनियंत्रित है ।

[सं. 1-6/82-एस०पी०वाई० (बैस्क-2)]

सी०एन० राधवन, संयुक्त सचिव (चीनी)

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 29th April, 1982

G.S.R. 362 (E) Ess. Com|Sugar.—In exercise of the powers conferred by clause 5 of the Sugar (Control) Order,

1966, and in supersession of the Order of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food) No. G.S.R. 410(E)/Ess. Com./Sugar, dated the 14th July, 1980, the Central Government hereby directs that no recognised dealer shall keep in stock at any time, —

(1) vacuum pan sugar, in the places mentioned below, in excess of the quantities mentioned against each,—

(i) in Calcutta and extended area—

(a) recognised dealers who import sugar from outside West Bengal—7,500 quintals;

(b) other recognised dealers—1,000 quintals;

(ii) in other places—

(a) in cities and towns with a population of 5 lakhs or more—1,000 quintals;

(b) in cities and towns with a population of one lakh or more but less than 5 lakhs—500 quintals;

(c) in other towns with a population of less than one lakh—250 quintals.

(2) Khandsari (open pan sugar) in excess of 1,000 quintals :

Provided that nothing in this Order shall apply to the holding of stocks of sugar—

(i) on Government account; or

(ii) by the recognised dealers nominated by a State Government or an officer authorised by it to hold such stock for distribution through fair price shops; or

(iii) by the Food Corporation of India.

Explanation.—For the purpose of this Order, "Calcutta and extended area" means the areas specified in the Schedule to the notification of the Government of West Bengal No. 7752 F.S./F.S./14 R 92/61, dated the 16th December, 1964.

[No. 1-6/82-SPY(D-II)]

C. N. RAGHAVAN, Jt. Secy. (Sugar)